



HargharPanditji

॥ सोमवार व्रत का ज्योतिषीय कारण ॥

॥ ॐ नमः शिवाय ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ सोमवार व्रत का ज्योतिषीय कारण ॥

वैदिक ज्योतिष में सोमवार का संबंध चंद्र ग्रह (चंद्रमा) से माना गया है। चंद्रमा मन, भावनाओं, माता, मानसिक शांति, कल्पनाशक्ति, संवेदनशीलता, स्मरणशक्ति और मानसिक संतुलन का कारक ग्रह है। इसलिए सोमवार के दिन भगवान शिव की उपासना और व्रत का विशेष महत्व बताया गया है।

1. चंद्रमा और भगवान शिव का संबंध

पौराणिक मान्यता के अनुसार भगवान शिव अपने मस्तक पर अर्धचंद्र धारण करते हैं, इसलिए उन्हें "चंद्रशेखर" भी कहा जाता है। इसका प्रतीकात्मक अर्थ है कि भगवान शिव ने चंचल मन (चंद्र) को अपने नियंत्रण में रखा है। अतः सोमवार को शिव की आराधना करने से मन की स्थिरता और मानसिक संतुलन की कामना की जाती है।

2. चंद्र ग्रह को बल प्रदान करने की मान्यता

ज्योतिषीय परंपरा के अनुसार यदि किसी व्यक्ति की जन्मकुंडली में चंद्रमा कमजोर, पीड़ित या अशुभ प्रभाव में हो, तो मानसिक तनाव, अस्थिरता, भय, अनिर्णय या भावनात्मक उतार-चढ़ाव जैसी परिस्थितियाँ देखने को मिल सकती हैं। ऐसी स्थिति में श्रद्धापूर्वक सोमवार का व्रत, भगवान शिव का अभिषेक और "ॐ नमः शिवाय" अथवा महामृत्युंजय मंत्र का जप शुभ माना जाता है।

यह ध्यान रखना आवश्यक है कि किसी व्यक्ति की कुंडली का वास्तविक प्रभाव उसकी संपूर्ण जन्मपत्री के विश्लेषण पर निर्भर करता है। केवल सोमवार का व्रत किसी ग्रह-दोष का निश्चित उपचार नहीं माना जा सकता।

3. मन और भावनाओं की शांति

चंद्रमा मन का स्वामी माना गया है। इसलिए सोमवार के व्रत में संयम,

सात्त्विक भोजन, ध्यान, जप और शिवपूजन का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यता है कि इससे मन को शांति, धैर्य और सकारात्मकता प्राप्त होती है।

4. पारिवारिक सुख और मातृ कृपा

वैदिक ज्योतिष में चंद्रमा माता, परिवार और भावनात्मक संबंधों का कारक ग्रह है। इसलिए सोमवार को शिव-पार्वती की पूजा करने से पारिवारिक सौहार्द, माता के स्वास्थ्य और गृहस्थ जीवन के मंगल की प्रार्थना की जाती है।

5. विवाह और दांपत्य सुख

ज्योतिषीय मान्यता के अनुसार सोमवार का व्रत विवाह में आने वाली बाधाओं को दूर करने तथा दांपत्य जीवन में प्रेम, विश्वास और मधुरता की कामना के लिए भी किया जाता है। विशेष रूप से सोलह सोमवार व्रत इसी उद्देश्य से लोकप्रिय है।

6. जलाभिषेक का ज्योतिषीय महत्व

चंद्रमा का संबंध जल तत्व से माना जाता है। इसलिए सोमवार को शिवलिंग पर जल, गंगाजल या दूध से अभिषेक करना मन की शीतलता और चंद्र तत्व के संतुलन का प्रतीक माना जाता है। यह एक धार्मिक और सांकेतिक परंपरा है।

7. किन लोगों के लिए सोमवार व्रत शुभ माना जाता है?

धार्मिक और ज्योतिषीय परंपराओं के अनुसार सोमवार का व्रत विशेष रूप से उन लोगों के लिए लाभकारी माना जाता है जो—

मानसिक शांति और एकाग्रता की कामना करते हैं।

भावनात्मक अस्थिरता से मुक्ति चाहते हैं।

विवाह या दांपत्य जीवन में मंगल की प्रार्थना करते हैं।

भगवान शिव की भक्ति और आध्यात्मिक साधना करना चाहते हैं।

चंद्र ग्रह से जुड़े शुभ फलों की कामना करते हैं।